ISSN 2319-9407
www.yuvasamvad.org
www.yuvasamvad.com

नव निर्माण के लिए

युवा संवाद

जुलाई 2022 अंक-233 मूल्य - 30 रुपये

बदलते हिन्दू मुस्लिम रिश्ते

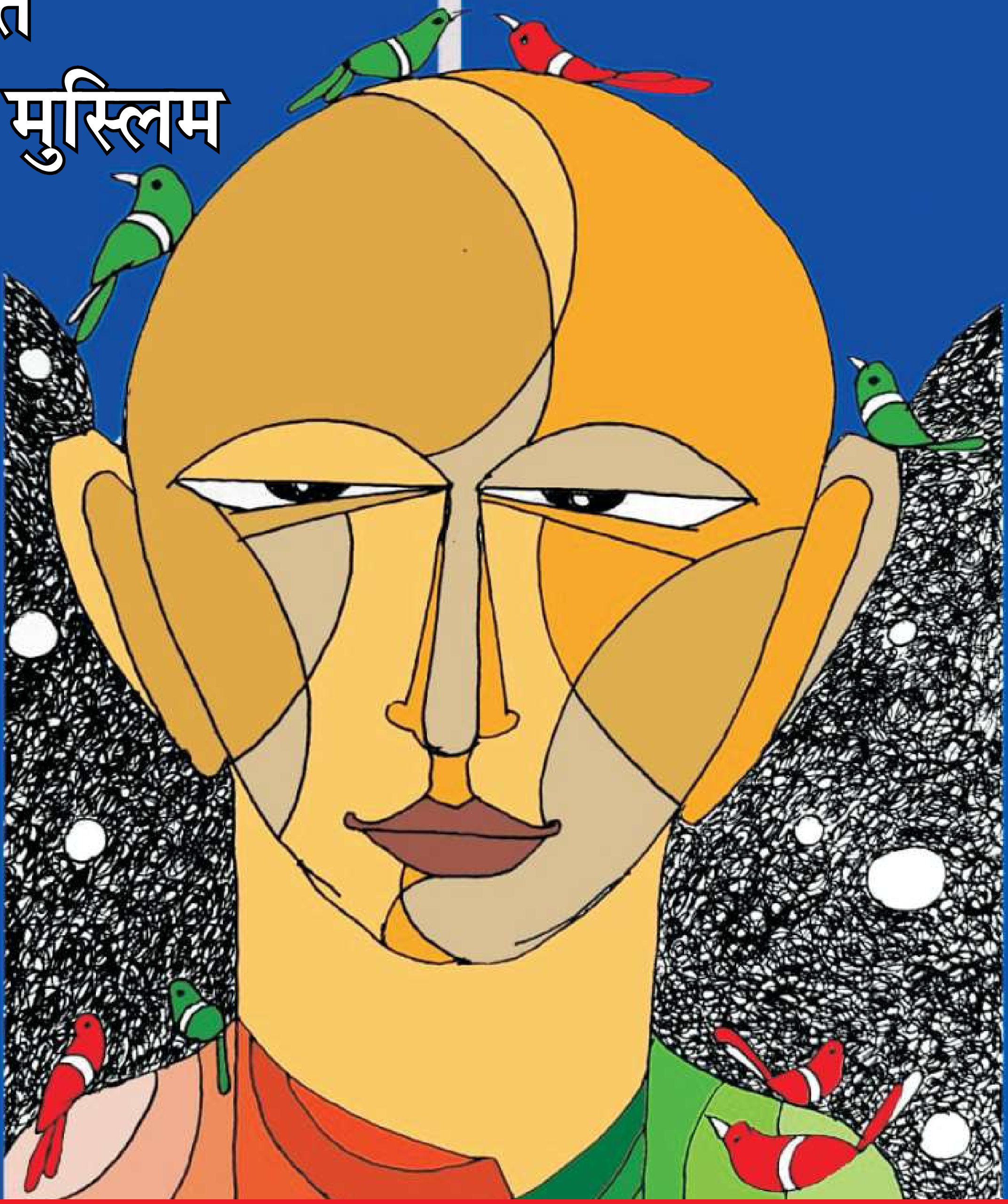

खंडित देश : खंडित संस्कृति

अपनी असुरक्षा से...

यदि देश की सुरक्षा यही होती है
कि बिना जमीर होना ज़िन्दगी के लिए
शर्त बन जाए
आँख की पुतली में हाँ के सिवाय
कोई भी शब्द अश्लील हो
और मन बदकार पलों के सामने
दण्डवत झुका रहे
तो हमें देश की सुरक्षा से ख़तरा है.

हम तो देश को समझे थे घर-जैसी पवित्र चीज़
जिसमें उमस नहीं होती
आदमी बरसते मेघ की गूँज की तरह
गलियों में बहता है
गेहूँ की बालियों की तरह खेतों में झूमता है
और आसमान की विशालता को अर्थ देता है

हम तो देश को समझे थे आलिंगन-जैसे
एक एहसास का नाम
हम तो देश को समझते थे काम-जैसा
कोई नशा

हम तो देश को समझते थे कुरबानी-सी वफ़ा
लेकिन गर देश
आत्मा की बेगार का कोई कारख़ाना है
गर देश उल्लू बनने की प्रयोगशाला है
तो हमें उससे ख़तरा है.

गर देश का अमन ऐसा होता है
कि कर्ज़ के पहाड़ों से फिसलते पत्थरों की तरह
टूटता रहे अस्तित्व हमारा
और तनख़्वाहों के मुँह पर थूकती रहे
क़ीमतों की बेशर्म हँसी
कि अपने रक्त में नहाना ही तीर्थ का पुण्य हो
तो हमें अमन से ख़तरा है.

गर देश की सुरक्षा को कुचल कर अमन को रंग चढ़ेगा
कि वीरता बस सरहदों पर मर कर परवान चढ़ेगी
कला का फूल बस राजा की खिड़की में ही खिलेगा
अक्ल, हुक्म के कुएँ पर रहट की तरह ही धरती सींचेगी
तो हमें देश की सुरक्षा से ख़तरा है

-अवतार सिंह पाश

युवा संवाद

वर्षः 19 ■ अंकः 4 ■ जुलाई, 2022

प्रकाशन एवं संपादन पूर्णतया अवैतनिक

संपादक मंडल

प्रो. कमल नयन काबरा
अरुण कुमार त्रिपाठी
अनिल चमड़िया
योगेन्द्र
अशोक भारत

संपादक

ए. के. अरुण

कला संपादक

संजीव शाश्वती

संपादकीय एवं प्रबंध कार्यालय

167ए / जी.एच.2

पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063

फोन – 7303608800

ईमेल : ysamvad@gmail.com

यह प्रति : 30 रु.

सदस्यता की दरें

वार्षिक	: **300** रु. (व्यक्तिगत)
	: **360** रु. (संस्थागत)
पांच वर्ष	: **1200** रु.
दस वर्ष	: **2000** रु.
आजीवन	: **3000** रु.
विदेशों में	: **200** यूएस डॉलर (पांच साल के लिए)

पत्रिका के लिये सहयोग राशि 'युवा संवाद' के नाम बैंक ड्राफ्ट/चैक से युवा संवाद 167ए/जी.एच.–2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 को भेजें। दिल्ली से बाहर के चैक के साथ 50 रु. और जोड़ें। सदस्यता राशि सीधे युवा संवाद के अकाउंट संख्या 028805003109 आई.सी.आई.सी.आई., नई दिल्ली के खाते में भी सीधे जमा कराई जा सकती है। बैंक का IFSC CODE ICIC0000288 है। राशि जमा कराने के बाद अपना नाम व पूरा पता डाक पिनकोड सहित मोबाइल नं. 09868809602 पर अवश्य एस.एम.एस. करें।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी डॉ. ए. के. अरुण, द्वारा मर्करी प्रिंटर्स, 602, गली जूते वाली, चूड़ीवालान, दिल्ली–06 से मुद्रित एवं उन्हीं के द्वारा 167ए/जी.एच. 2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 से प्रकाशित।

संपादक – ए. के. अरुण

RNI NO. : DELHIN/2003 / 9929

पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

युवा संवाद से सम्बन्धित किसी भी विवाद का निपटारा दिल्ली की सक्षम अदालत में ही सम्भव होगा।

इस अंक में

यह जो बिहार है	: राजनीति और छप्पन छुरियाँ	*डॉ. योगेन्द्र*	7
राजनीति	: बादशाहों के ज़ुल्म और इंसाफ	प्रियदर्शन	8
राजनीति	: विघटनकारी राजनीति और मस्जिद...	राम पुनियानी	10
कश्मीर	: बदस्तूर जारी है आतंकवाद...	डॉ. राजू पाण्डेय	12
पर्यावरण	: झीलों को मारकर बसाया गया...	पंकज चतुर्वेदी	14
बटवारे का दंश	: स्वतंत्र भारत में बदलते हिंदू मुस्लिम...	रविकांत	17
पर्यावरण	: एक विकट चुनौती	प्रो. सी.के. वार्ष्णेय	26
दस्तावेज	: खंडित संस्कृति	दीपक कुमार	31
बेबाक	: हिसाब–किताब	*सहीराम*	49

स्थाई स्तंभ

पाठक संवादः	4–5
संपादकीय :	6

वेब : www.yuvasamvad.org www.yuvasamvad.com

रुपये का गिरना और शीर्षासन

इक्कीस जून को विश्व योग दिवस था। अब कुछ वर्षों से हर साल इक्कीस जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है। योग के व्यायाम, जिन्हें आसन कहते हैं, किए जाते हैं और उनकी फोटो अखबारों में छपती है। बताया जाता है कि योग ऑल इन वन है। योग के आसनों से व्यायाम के अतिरिक्त और भी कई लाभ हैं। योग में बहुत सारे आसन हैं। इन सारे आसनों के कई सारे लाभ है। कुछ आसान तो शारिरिक व्यायाम के अतिरिक्त बहुत सारी बीमारियों से भी बचाते हैं और बताया तो यह भी जाता है कि बीमारियों को ठीक तक कर देते हैं। हर व्यक्ति का पसंदीदा आसन अलग अलग हो सकता है पर सारे आसनों में मुझे तो शीर्षासन ही सबसे अधिक पसंद है।

शायद सरकार जी भी शीर्षासन को ही सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। नहीं, ऐसा नहीं है कि यह उन्होंने किसी फिल्मी हस्ती को दिए साक्षात्कार में कहा है। मैं तो ऐसा बस अंदाजे से ही कह रहा हूं। मेरा यह अंदाजा सिर्फ इसलिए नहीं है कि मैंने सरकार जी की शीर्षासन के पोज़ में फोटो देखी हैं। बल्कि मेरा तो यह मानना है कि सिर्फ सरकार जी को ही नहीं बल्कि सारे भक्तों को भी शीर्षासन ही सबसे अधिक पसंद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शीर्षासन की मुद्रा में ही गिरता हुआ रुपया उठता हुआ दिखाई देता है। सरकार जी जब तक सरकार नहीं थे, तब तक मानते थे कि रुपये का गिरना तत्कालीन सरकार की अयोग्यता का परिणाम है पर अब जब सरकार जी स्वयं सरकार बन चुके हैं, तो उन्हें रुपये का गिरना अपनी अयोग्यता नहीं लगता है। ऐसा इसीलिए है क्योंकि शीर्षासन करते हुए देखने पर गिरता हुआ रुपया भी उठता हुआ दिखता है और सरकार जी इस गिरते हुए रुपये को शीर्षासन करते हुए ही देख रहे हैं।

वैसे केवल रुपये के गिरने की बात नहीं है। रुपये का गिरना अच्छी बात हो या न हो पर सरकार जी और उनके भक्त लोग तो इसके भी लाभ बता रहे हैं। जैसे कि डालर के मुकाबले रुपया गिरने से सर्विस इंडस्ट्री, जो विदेशों को सेवा देती है और जिसकी आय डालर में होती है, उसकी आय रुपये में तो बढ़ ही गई है ना। जैसे कि हमारा निर्यात जिसका भुगतान डालर में होता है, बिना बढ़े ही रुपये में तो बढ़ ही गया है ना, आदि, आदि। परन्तु जहां लाभ नहीं है वहां भी हम जब शीर्षासन करके ही चीजों को देखते हैं तो उन्नति ही लगती है। यह मैंने स्वयं अनुभव किया है कि शीर्षासन करते हुए, देश की प्रगति के ग्राफ देखने में कितना सुखद महसूस होता है, मन को कितनी शांति मिलती है।

इस योग दिवस पर मैंने सोचा दुनिया हर वर्ष योग दिवस मनाती है, क्यों न इस वर्ष मैं भी मना लूं। तो मैं योग के व्यायाम करने लगा। आसन करते करते जब मैं शीर्षासन पर पहुंचा तो अचानक ही मेरी निगाह कमरे में लगे रुपये की कीमत के ग्राफ पर पड़ी। मैंने देखा, रुपया तो छलांग मार रहा है। नई ऊंचाइयां छू रहा है। मेरा दिल बाग–बाग हो गया। सही से समझ में आ गया कि किस तरह शीर्षासन न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है अपितु मन को भी प्रसन्न रखता है, शांति प्रदान करता है। शीर्षासन करने का एक लाभ और भी है। जिनका दिमाग घुटने में या फिर टखने में होता है और काम नहीं करता है, शीर्षासन करने से वह भी काम करने लगता है।

अभी दो सप्ताह पहले ही विश्व पर्यावरण सूचकांक (एनवायरमेंट परफॉर्मेंस इंडेक्स) की रिपोर्ट आई थी। भारत का स्थान एक सौ अस्सी देशों में से एक सौ अस्सीवां रहा। मुझे तो बड़ी शर्म आई क्योंकि मैंने तब तक शीर्षासन करना शुरू नहीं किया था। पूरी क्लास में सबसे फिसड्डी। शर्म तो सरकार जी और भक्तजनों को भी आनी चाहिए थी, पर आई नहीं। क्योंकि उन्होंने इसे शीर्षासन करके देखा। अरे वाह! पहला नम्बर, पूरे विश्व में सबसे ऊपर, पूरे विश्व में प्रथम स्थान। मतलब स्वर्ण पदक। हम समझ गए यह स्थान सरकार जी के पर्यावरण संरक्षण पर दिये गए अच्छे अच्छे भाषणों का ही परिणाम है। सरकार जी पर्यावरण के मामलों में भाषण बहुत ही अच्छा देते हैं। ब्रिटेन, अमरीका और यूरोप के देशों को खूब खरी खरी सुना देते हैं। इससे हमारा पर्यावरण संरक्षण का काम हो जाता है। पर्यावरण पर हमारे यहां अधिकतर काम भाषण–बाजी तक ही सीमित रहता है। इसीलिए हमें अपना स्थान शीर्षासन करके ही ढूंढ़ना पड़ता है। एक और पैमाना है, खुशहाली का पैमाना (वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स)। पूरे विश्व के स्तर पर, 'हैप्पीनेस इंडेक्स' उसमें भी हम लगातार नीचे जाते जा रहे हैं। पर हम मान रहे हैं कि उसमें भी हम ऊपर उठ रहे हैं, देश खुशहाल हो रहा है। आखिर शीर्षासन करके जो देख रहे हैं। पर असलियत में तो उसका ग्राफ भी लगातार नीचे गिरता ही जा रहा है।

पत्रकारों की स्वतंत्रता का सूचकांक (वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स) हो या हमारी खुद की स्वतंत्रता का, चाहे गरीबी का इंडेक्स हो या अमीरी गरीबी में बढ़ती खाई का सूचकांक (वर्ल्ड इनइक्वालिटी इंडेक्स), और चाहे विश्व में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दिखाने वाला कोई सूचकांक हो, या फिर धार्मिक आजादी दिखाने वाला, हमें सभी में अपना विकास खोजने के लिए शीर्षासन ही करना पड़ता है। ये सारी की सारी रिपोर्ट, ये सारे के सारे सूचकांक इतना जल्दी जल्दी आते रहते हैं कि उन्हें समझने के लिए, उनमें देश का विकास ढूंढने के लिए बार बार, जल्दी जल्दी, शीर्षासन करना पड़ता है। बार बार शीर्षासन करने से थकान भी अधिक हो जाती है। और बार बार सिर के बल खड़े होने पर, बैलेंस बिगड़ने का, गिरने का डर भी होता है। और इनके अलावा गिरते रुपये को सम्हालने के लिए, बढ़ती महंगाई को घटाने के लिए, देश का विकास देखने के लिए, सबके लिए शीर्षासन करना पड़ता है। इसलिए मेरा सुझाव है कि बार बार शीर्षासन करने की परेशानी से बचने के लिए क्यों न हम सब चमगादड़ ही बन जाएं। उलटे लटके रहेंगे और रसातल में जाते देश को ऊपर जाते देखते रहेंगे। बार बार शीर्षासन करने का झंझट भी खत्म हो जायेगा। देश को विकसित होते देखने का बस यही एक तरीका है कि हम सब चमगादड़ बन जाएं और उल्टे लटक कर देश का विकास देखें। ❒

आज़ादी का अमृत महोत्सव
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
Union Bank of India
आन्ध्रा Andhra
कार्पोरेशन Corporation
इको फ्रेंडली बनकर ड्राइव कीजिए
यूनियन ग्रीन माइल्स लोन
इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए
आकर्षक ब्याज दर
कोई प्रोसेसिंग प्रभार नहीं
अनुच्छेद 80ईईबी के अंतर्गत टैक्स में ₹1.5 लाख तक की छूट
रजिस्ट्रेशन और रोड टैक्स में 100%* तक की छूट
राज्य सरकार की ओर से ₹2.5* लाख तक का अनुदान
ऋण आवेदन की सरल, सहज एवं सुविधाजनक प्रक्रिया 9619333333 पर एक मिस्ड कॉल दीजिए या एसएमएस कीजिए <ULOAN> को 56161 पर
www.unionbankofindia.co.in | हमें यहाँ फ़ॉलो करें | टोल फ्री नं. : 1800 22 2244 और 1800 208 2244

RNI NO. : DELHIN/2003/9929
POSTAL REGD. NO. : DL(W) 10/2010/2021-2023

Date of Publishing : 26 June, 2022, Date of Posting : 2 & 3 July, 2022. Posting at The Post Master, NIEHO, New Delhi-110028, Total 52 Pages

युवा संवाद प्रकाशन

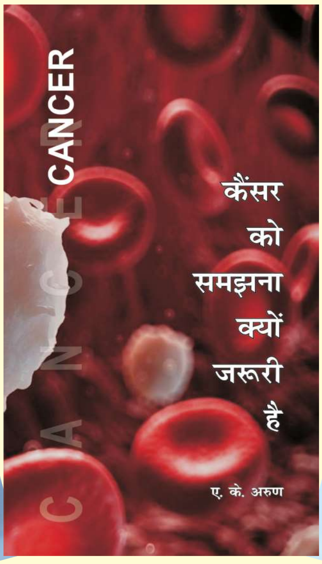

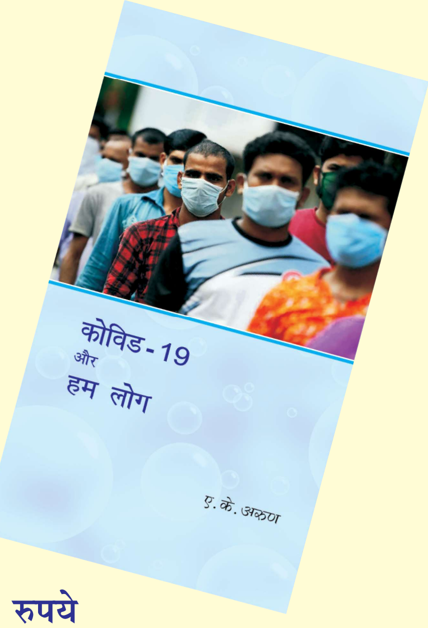

तीनों पुस्तकों का सैट : 200 रुपये

पुस्तक प्राप्त करने के लिए
लिखें या सम्पर्क करें :

युवा संवाद

167ए/जीएच-2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063 फोन : 7303608800